वर्ष-36

जनवरी - 2016 अंक-9 रु.10/-

हिन्दी प्रचार वाणी

नववर्ष और संक्रान्ति की हार्दिक शुभ कामनाएँ ।

दि 27-12-2015 इतवार को संपन्न हुए कर्नाटक महिला हिन्दी सेवा समिति के 42 वे दीक्षान्त समारोह के अवसर पर दीक्षान्त भाषण देते हुए प्रो.बालेन्दु शेखर तिवारी जी तथा स्वागत भाषण देते हुए श्रीमती बी.एस.शांताबाई जी और अध्यक्षीय भाषण देते हुए डॉ.शकुंतला नागराज जी दर्शित है

समिति के 42 वे दीक्षान्त समारोह से संबन्धित कार्यक्रम की कुछ झलके भावचित्र द्वारा दर्शित है।

कर्नाटक महिला [illegible]वा समिति, [illegible]लोर-18.

KANARA WELFARE TRUST
DIVEKAR COLLEGE OF COMMERCE
KARWAR

PRINCIPAL
Kanara Welfare Trust's
Divekar College of Commerce
KARWAR - 581 301

RNI.No.KARHIN/2009/29806 HINDI PRACHAR VANI 10th of every Month
REG.RNP/KA/BGS-2124/2015-2017 TOTAL PAGES : 32+4=36 POSTED AT BG.PSO. Mysore Road
Licensed to Post without pre-payment Licensed No. WPP-200 BANGALORE - 560026

विशिष्ट हिन्दी सेवा पुरस्कृत हिन्दी सेवियाँ दर्शित हैं ।

प्रो. एम.वी.नागराज राव

डॉ. अनुराधा एन. भट्ट

श्रीमती सोनाबाई

पूना के कवि और कथाकार डॉ.दामोदर खडसे समिति में पधारे थे ।
उस अवसर पर उनका सम्मान किया गया ।

If undelivered please return to
KARNATAKA MAHILA HINDI SEVA SAMITHI
NO. 178, 4th Main Road, 6th Cross,
Chamarajpet,
Bangalore-560 018
Phone : 080-26617777

कर्नाटक महिला हिन्दी सेवा समिति, चामराजपेट, बेंगलोर की ओर से श्रीमती बी.एस. शांताबाई, एम.ए., द्वारा के.एम.हेच.एस.एस. प्रेस, 178, चौथा मैन रोड, चामराजपेट, बेंगलोर-18, में मुद्रित, प्रकाशित एवं संचालित। दूरभाष : 26617777 E-mail : kmhssbg@yahoo.com

प्रचारक बन्धुगण । उन सबका आभार मानती हुई स्नातकों को, विशेष पुरस्कार प्राप्त छात्रों को तथा सम्मानित प्रचारकों को बधाई देकर उनसे प्रार्थना करती हूँ कि हिंदी के प्रचार कार्यों में दुगुने उत्साह के साथ सहयोग दें । परम पूज्य प्रो.बालेन्दुशेखर तिवारी ने अपनी उपस्थिति से समिति को मंगलमय बनाया है । आशा है कि वाग्देवी सरस्वती से अनुगृहीत प्रो.बालेन्दुशेखर तिवारी समय-समय पर यहाँ पधारकर हमें अपने सुझाव व मार्गदर्शन से प्रोत्साहित करके हिंदी प्रचार के हमारे ध्येय को यशस्वी बनायेंगे ।

हमारे आमंत्रण को स्वीकार करके हितचिंतक मित्रों ने यहाँ पधार कर समारोह को सफल बनाया है । उनको भी धन्यवाद अर्पित करना हमारा कर्तव्य है । सुमधुर प्रार्थना गीत गाकर इस सभा की पवित्रता बढ़ायी है श्रीमती रंजनी ने । सरस्वती की कृपादृष्टि उन पर सदा रहे ।

'भारत जननी एक हृदय हो एक राष्ट्रभाषा हिंदी में कोटि-कोटि जनता की जय हो" इसी प्रार्थना के साथ अपने भाषण को समाप्त करती हूँ ।

जय हिन्द, जय कर्नाटक, जय भारत

विश्व जननी

संध्या दत्ता कदम

वेद, पुरान, बाइबल, कुरआन ।
में दिया है मुझे बड़ा सम्मान ।
हर धर्म ग्रंथ में मैंने मुझे पाया ।
पूजनीय बताया, तुम्हारा स्वार्थ दिखाया ।
पर मुझ पर मुझे गर्व है ।
नारी हूँ, नरक को स्वर्ग बनाना है ।
सारे ब्रह्मांड को मुझे ही चलाना है ।
आदम को हवा ने जगाया ।
यशोदा ने कृष्ण को मक्खन खिलाया ।
कौशल्या ने राम को दूध पिलाया ।
गौतमी ने सिद्धार्थ को बुद्ध बनाया ।
मरियम ने जिजस को शांति दूत बनाया ।
सागर के पेट से मोति निकलते हैं ।
मेरे गर्भ से विश्व ज्योति निकलती है ।
बसवेश्वर, विवेकानंद मेरे ही तो लाल हैं ।
भगतसिंह, अब्दुल कलाम विश्व में विशाल हैं ।
पुरुषों की जननी तेजस्विनी मैं हूँ ।
वीरों की जननी जीजाऊ बी मैं हूँ ।
मैंने तुमपर सब कुछ लुटाया ।
तुमने मुझे देवी बनाकर मंदिर में
बिठाया ।
लक्ष्मी बनाया, दिल बहलाया ।
धन, दौलत अपने हाथ लगा लिया ।
सरस्वती बनाया, संगीत गवाया ।
नर्तकी बनाकर मुझे ही नचाया ।
नाच-नाचकर दिल बहलाया ।
तुम्हारी बुरी नज़र मुझे धोखा
ही देते आया ।
स्वार्थि मानव संभाल अब तो ।
मैं हूँ तो सारा जग शांत, प्रशांत है ।
दुर्गा चंडी, काली न बनाओं मुझे ।
बस विश्व जननी बनकर रहने दो मुझे ।

हिन्दी प्रवक्ता, बापूजी ग्रामीण विकास समिति,
पदवि पूर्व कला और वाणिज्य कालेज,
सदाशिवगड़, कारवार-581 352
जिल्ला-उत्तर कन्नड़
संपर्क 09448796762